शँकर संकट हरना

शिव कैलाशों, के वासी,
ओ धौली, धारों के राजा,
"शँकर, संकट हरना xII"
शँकर, संकट हरना II, ओ भोले बाबा,
शँकर, संकट हरना I

तेरे कैलाशों का, अंत न पाया II,
अंत, बेअंत तेरी माया, ओ भोले बाबा,
अंत, बेअंत तेरी माया,,,
शँकर, संकट हरना II, ओ भोले बाबा,
शँकर, संकट हरना I
शिव कैलाशों, के वासी,,,,,,,,,,,,,,,

बिल की पत्तियां, भांग धतूरा II,
शिव जी के, मन को लुभाए, ओ भोले बाबा,
शिव जी के, मन को लुभाए,,,
शँकर, संकट हरना II, ओ भोले बाबा,
शँकर, संकट हरना I
शिव कैलाशों, के वासी,,,,,,,,,,,,,,,

एक था डेरा तेरा, चंबेरे चौगाना II,
दूजा लाई, दित्ता भरमौरा, ओ भोले बाबा,
दूजा लाई, दित्ता भरमौरा,,,
शँकर, संकट हरना II, ओ भोले बाबा,
शँकर, संकट हरना I
शिव कैलाशों, के वासी,,,,,,,,,,,,,,,

दीनन के प्रभु, शँकर प्यारे II,
भक्तों के, मन में विराजे, ओ भोले बाबा,
भक्तों के, मन में विराजे,,,
शँकर, संकट हरना II, ओ भोले बाबा,
शँकर, संकट हरना I
शिव कैलाशों, के वासी,,,,,,,,,,,,,,,
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/19636/title/shankar-sankat-harna

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |